उपलब्धि

पार किया 500 स्टार्टअप का आंकड़ा, स्टार्टअप का वैल्यूएशन पहुंचा 12 हजार करोड़, इसमें 150 से अधिक वुमन स्टार्टअप

भारत का टेक स्टार्टअप कैपिटल बना अपना आईआईटी

शैली भल्ला

कानपुर। अपना आईआईटी टेक स्टार्टअप कैपिटल ऑफ इंडिया बन गया है। 25 सालों के सफर में संस्थान के स्टार्टअप इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर (एसआईआईसी) ने 500 से अधिक स्टार्टअप को पंख दिए हैं। इनकी कुल वैल्यूएशन 12 हजार करोड़ रुपये है। इसमें 150 से अधिक वुमन स्टार्टअप भी शामिल हैं।

साल 2000 में सिडबी के सहयोग से स्थापित यह केंद्र प्रभावशाली टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटरों में शामिल है जिसने नवाचार, उद्यमिता और उद्योगों को बदलने वाले समाधानों को मजबूत मंच दिया। बीते कुछ वर्षों में एसआईआईसी ने देश भर के युवा उद्यमियों के लिए ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र तैयार किया है जहां आइडिया से लेकर प्रोटोटाइप और मार्केट लांच तक हर स्तर पर स्टार्टअप्स को विशेषज्ञ मार्गदर्शन, तकनीकी सहायता, फंडिंग और उद्योग साझेदारी उपलब्ध करवाई जाती है। इसमें निरमन, आईडेक्स, टेक फॉर ट्राइबल, कवच और वेंचर जैसे प्रमुख कार्यक्रमों की भूमिका अहम रही है।

खास खबर

10829 से अधिक लोगों को आईआईटी के 253 स्टार्टअप्स ने दी हैं नौकरियां

एसआईआईसी प्रभारी प्रो. दीपू फिलिप ने बताया कि सेंटर की ओर से समर्थित शीर्ष 253 स्टार्टअप्स ने 10,829 से अधिक नौकरियां प्रदान की हैं। उनका विस्तार देश के 22 राज्यों में है जो आर्थिक और सामाजिक विकास में सेंटर की भूमिका को दर्शाता है। सेंटर का उद्देश्य सही मार्गदर्शन, फंडिंग और नेटवर्क उपलब्ध कराकर डीप-टेक उद्यमियों को आगे बढ़ाना रहा है।

हर क्षेत्र में स्टार्टअप ने जमाई धमक

एसआईआईसी ने मेडटेक, आईओटी, एआई-एमएल, क्लीन टेक, एग्रीटेक, सोशल टेक, डिफेंस एवं एयरोस्पेस, साइबर सिक्योरिटी और फिनटेक जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सैकड़ों नवाचारों को संवारकर एक मजबूत इकोसिस्टम तैयार किया है। कई स्टार्टअप राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशेष पहचान बना चुके हैं। इनमें इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, डीपटेक, साइबर सुरक्षा, सतत ऊर्जा, कृषि नवाचार और चिकित्सा तकनीक से जुड़े समाधान शामिल हैं। कुछ स्टार्टअप्स ने वैश्विक निवेशकों को आकर्षित करते हुए करोड़ों की फंडिंग हासिल की है। ऑफग्रिड एनर्जी लैब्स ने अपने उन्नत जिंक-ब्रोमीन बैटरी सिस्टम के विस्तार के लिए 1.32 अरब रुपये जुटाए। प्राइमरी हेल्थटेक का एआई आधारित मोबिलैब ब्लड टेस्टिंग डिवाइस पूरे देश में स्केल हो रहा है। लाइफ एंड लिंब और एग्रोश्योर को यूके की प्रतिष्ठित कॉमनवेल्थ स्टार्टअप फेलोशिप में चुना गया जहां उन्होंने किफायती कृत्रिम अंग और जलवायु-सहिष्णु कृषि मशीनरी प्रदर्शित की। इसके अलावा महिला-नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स से हेल्थकेयर, फिनटेक, क्लीनटेक, एडटेक और एग्री-इनोवेशन जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण समाधान विकसित किए जा रहे हैं।